जब हम नीतिवचन 30 पढ़ते हैं, तो हमें एक व्यक्ति आगूरी बिन याके दिखाई देता है, जो कुछ कहावतें लिख रहा था, जो उसने इथिएली नामक व्यक्ति को सिखाई थीं। अपने जीवन के अनुभवों में कई बातें उसे अचंभित करती थीं, जिनमें से चार का वर्णन उसने नीतिवचन 30:18-19 में किया है:

नीतिवचन 30:18-19
“मेरे लिए तीन बातें अचंभित करने वाली हैं, हाँ, चार बातें जिन्हें मैं समझ नहीं पाया:
19 बाज़ का उड़ान भरना;
साँप का चट्टान पर चलना;
समुद्र में जहाज़ का चलना;
और मनुष्य का स्त्री के साथ प्रेम।”

शुरुआत में यह पंक्तियाँ साधारण लग सकती हैं, लेकिन जब आप गहराई से विचार करेंगे, तो आप पाएंगे कि आगूरी ने इन प्राणी और मनुष्यों के व्यवहार में जो देखा, वह वास्तव में आश्चर्यजनक था।

1. बाज़ की उड़ान
आगूरी ने बाज़ की उड़ान को देखा और आश्चर्यचकित हुआ कि उसके पास पैर होते हुए भी वह पूरी तरह से उन पर निर्भर नहीं होता। बाज़ की

गति इतनी तेज़ और अनोखी है कि आज भी कोई अन्य प्राणी या पक्षी उसकी बराबरी नहीं कर सकता।

2. साँप की चाल
साँप के बारे में सोचें — उसके पास पैर नहीं होते, फिर भी वह अपने शरीर के लचक और गति से मनुष्यों की तुलना में लगभग दोगुनी तेजी से चलता है। आगूरी ने यह देखकर समझा कि गति केवल अंगों से तय नहीं होती।

3. जहाज़ की गति
समुद्र का जहाज़ भी आश्चर्यजनक है। इसके पास पहिए नहीं हैं जैसे कार, साइकिल या ट्रेन के पास होते हैं, फिर भी यह पानी पर तेज़ी से चलता है। यदि इसे पहिए भी दिए जाएँ, तो गति में कोई मदद नहीं मिलेगी। ठीक वैसे ही जैसे बाज़ के पाँव उसकी उड़ान के लिए नहीं जिम्मेदार हैं और साँप के पैर उसकी गति में मदद नहीं करते।

4. मनुष्य और स्त्री का प्रेम
आख़िरी और सबसे आश्चर्यजनक गति है मनुष्य और स्त्री का प्रेम। कई बार लोग दूसरों के वैवाहिक संबंधों को समझने में असमर्थ होते हैं और सवाल उठाते हैं:

क्यों उसने उस व्यक्ति को पसंद किया जबकि और सुंदर विकल्प थे?

क्यों प्रेम उस व्यक्ति के प्रति है जिसने पहले बच्चे या समाज में ख्याति अर्जित की?

यह वास्तविक आश्चर्य प्रेम का है — यह अनुमानित कारणों पर आधारित नहीं है।

ईसा मसीह और उसकी प्रेरणा
ठीक उसी तरह, ईसा मसीह और उसकी कलीसिया का प्रेम भी इस तरह है। मसीह कलीसिया का पति है, और हमें वह अपनी प्रेमपूर्ण वचन से अपनाता है:

2 कुरिन्थियों 11:2
“क्योंकि मैं आप पर ईश्वर की ईर्ष्या करता हूँ; क्योंकि मैं आप को एक पुरुष के साथ संलग्न करूँ, ताकि मैं आपको मसीह को एक शुद्ध कुँवारी के रूप में प्रस्तुत कर सकूँ।”

मसीह ने हमें हमारे दोष और अयोग्यता के बावजूद प्रेम किया। उसका प्रेम किसी भौतिक लाभ या हमारी योग्यता पर आधारित नहीं है।

आस्था और प्रेम

हम ईसा मसीह को उसकी संपत्ति या शक्ति के कारण नहीं प्रेम करते, बल्कि उसके प्रेम के कारण। इस प्रेम में हम उसे न देखकर भी विश्वास और आनन्द अनुभव करते हैं:

1 पतरस 1:8
“जिसे आप प्रेम करते हैं, यदि आप उसे न देखें भी, आप उस पर विश्वास करते हैं और अत्यंत आनंदित होते हैं, गूढ़ और
गौरवमयी आनन्द में।”

भजन संहिता 34:8
“आओ और देखो कि प्रभु कितना भला है; धन्य है वह मनुष्य जो उसी में आशा रखता है।”

रोमियों 8:38-39
“क्योंकि मैं निश्चित रूप से जानता हूँ कि न मृत्यु, न जीवन,

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 4

न स्वर्गदूत, न अधिकार, न वर्तमान, न भविष्य, न कोई शक्ति, न ऊपर, न नीचे, न कोई अन्य सृष्टि हमें मसीह यीशु में परमेश्वर के प्रेम से अलग कर सकती है।”

प्रकाशित वाक्य 22:17
“और आत्मा और दुल्हन कहती हैं, आओ! जो सुनता है वह भी कहे, आओ! जो प्यासा है वह आए; जो चाहे वह ले, जीवन का जल मुफ्त में
पाए।”

प्रिय मित्र, यदि आप अभी भी मसीह के प्रेम में प्रवेश नहीं किए हैं, तो अब समय है। वह आपको ऐसे मार्ग पर चलने का आमंत्रण देता है, जहाँ आपके जीवन में प्रेम और आस्था की गति अद्भुत होगी।

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP....

Share on:
WhatsApp